शत्-शत् नमन

आर.पी. शर्मा (जांगिड)

सुपुत्र स्व. श्री रामकरण जांगिड

संस्थापक एवं सम्पादक 'विश्वकर्मा टूडे'

जीवन परिचय

आपका कहना था कि जीवन में विभिन्न चुनौतियों को स्वीकार कर कुछ बनने के लिये उच्च शिक्षित होने के साथ परिश्रम को कभी भी नकारा नहीं जा सकता। नतीजन हमारा सफर उच्च मुकाम तक पहुंच पाता है जिसका आधार बनता है हमारा लक्ष्य। इसका प्रत्यक्षीकरण करने के लिये ऐसे जुनून की जरूरत पड़ती है जो हमें सही दिशा देकर निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचा सके। अपनी कसौटी पर खरा बने रहने के लिये निरन्तर अनुभवों का सृजन भी उतना ही जरूरी है जितनी की आप में कामयाबी की ललक है। अत: संघर्ष के इस दौर में विजय पताका फहराने के प्रति यही सच्चा पुरूषार्थ हैं।

राजस्थान के टोंक जिले में एक ग्राम है-पराना, जिसकी धरा ने 2 सितम्बर 1950 को जांगिड कुलवंशीय एक ऐसे रत्न को जन्म दिया जिसने अपने परिवार का नाम ही रोशन नहीं किया बल्कि सम्पूर्ण विश्वकर्मा समाज को गौरवान्वित किया। यह रत्न जब समाज सेवा को समर्पित हुआ तो इसने अल्प समय में ही एक कर्मठ सेवी के रुप में अपनी पहचान बनाई। ऐसे व्यक्तित्व के पर्याय बने श्री आर. पी. शर्मा, जो कि एक सेवक के रुप में विख्यात हो समाज के समक्ष आये। ऐसे कर्मठ सेवी को जन्म देने वाले माता-पिता हैं - स्व. श्रीमती मूली देवी एवं स्व. श्री रामकरण जांगिड।

उस जमाने में आपके पिता जी लकड़ी का पुश्तैनी कार्य ही करते थे और उन पर अपने परिवार की भरण-पोषण की भी पूरी जिम्मेदारी थी, फिर भी उन्होंने आपकी शिक्षा के प्रति अभिरुचि के कारण एम.एस.सी. की उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित नहीं रहने

दिया। और इन्होंने जुझारु बन कर समाज में चेतना जागृत करने के लिये जयपुर से विश्वकर्मा टूडे मासिक पत्रिका का सफलतम् प्रकाशन किया। आपको इस मुकाम तक पहुंचने में जहाँ आपकी उच्च शिक्षा अहम् बनी वहीं आपके संघर्षशील पुरुषार्थ ने समय-समय पर एक से एक नये आयामों को जोड़ने के प्रति प्रेरित कर सफलतम् जीवन का मार्ग प्रशस्त किया।

कालान्तर में जब आपने जीवन मूल्यों को समझा तो समाज सेवा के कार्य को अंगीकार कर लिया। आपके प्रारंभिक जीवन में आपने शिक्षा प्राप्त करने के प्रति जो लक्ष्य निर्धारित किया उसको साकार करने में जी-तोड़ मेहनत की। आपने 1973 में टोंक से बी.एस.सी. किया एवं इसके उपरान्त जयपुर आ गये और राजस्थान विश्वविद्यालय से 1975 में साइन्स मैथ्स से एम.एस.सी. प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण करने के साथ यूनिवर्सिटी में सातवीं रेंक भी अर्जित की। शिक्षा प्राप्ति के प्रति भी अतीत से जुड़ी हुई एक प्रेरणास्पद घटना है-आप अपने ग्राम से प्राथमिक की पढ़ाई करने के बाद नवीं में ऐच्छिक विषय साइन्स मैथ्स लेकर देवली (टोंक) में पढ़ते थे, उस समय प्रथम टेस्ट में कम नंबर आने पर गुरुजन की कुछ निरुत्साहित करने वाली वाणी भी झेलनी पड़ी कि 'तुम मैथ्स की पढ़ाई नहीं कर सकते' आदि। आत्मविश्वास जागृत कर पढ़ाई के प्रति जुटने को प्रेरित हुए और ये शब्द ही आपके भावी जीवन को संवारने में प्रेरणा स्वरूप मददगार साबित हुए। मन लगाकर खूब पढ़ाई की और सफलतायें प्राप्त करने के लिये तभी से जुट गये थे, अन्ततः एम.एस.सी. साइंस मैथ्स से ही की।

उच्च शिक्षा प्राप्ति का उद्देश्य पूर्ण होने के उपरान्त कुछ कार्य करने की आवश्यकता महसूस हुई तो 1976-1983 तक फार्मास्युटिकल कम्पनियों में प्रोडक्शन मैनेजर के पदों पर रहकर कार्य किया। इस कार्य को बारीकी से समझा तो राजस्थान में दवाइयाँ सप्लाई करने को उद्यत हुये और वर्ष 1986से पशुपालन विभाग में मेडिसन के टेण्डर लेने का कार्य करने लगे जिसे वर्ष 1992 तक किया। इसके उपरान्त ब्राण्डेड कम्पनियों के विभिन्न तरह के अन्य प्रोडक्टस को उपभोक्ताओं तक पहुँचाने के लिये स्वयं की एजेन्सी भी खोली। इसके माध्यम से रात-दिन जुटकर कठोर परिश्रम किया तो सफलतायें अर्जित कर 1998तक मार्केटिंग के क्षेत्र में खूब छाये रहे। मेहनत से दो पैसा जुटाया भी किन्तु अपार मेहनत एवं असीमित दिनचर्या होने के कारण यह अधिक समय तक रास नहीं आया जिससे इस काम में भी बदलाव करते हुए युवाओं को रोजगारोन्मुखी साधन मुहैया कराने के लिये शैक्षणिक क्षेत्र में पदार्पण किया।

इसको अंजाम देते हुये 1999 से विजन कम्प्यूटर पार्क एवं विजन इन्स्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग के नाम से प्रतिष्ठान प्रारम्भ कर विद्यार्थियों एवं युवाओं को प्रशिक्षण देने का कार्य प्रारम्भ किया। इसके अन्तर्गत लगभग 5000 छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जिसकी बदौलत हजारों युवाओं को रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिला। प्रशिक्षणार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए संस्था की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत पिंकसिटी प्रेस क्लब, जवाहर कला केन्द्र, बिरला ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय स्तर के फैशन शो एवं प्रदर्शनियां आदि में राज्य सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, मंत्री एवं विधायक आदि कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

सामाजिक परिदृश्य पर भी आपकी भूमिका अहम बनी रही। इस दिशा में विभिन्न प्रकार के आयामों को जोड़कर समाज में चेतना जागृत कर कीर्तिमान स्थापित करने को अग्रणी बने। रोजगारोन्मुखी समाज की संरचना हेतु आपके संस्थान द्वारा समाज के युवाओं को अधिक रोजगार मिल सके इसके लिए आप द्वारा उनकी फीस में 30 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान कर उनके वित्तीय भार को कम किया। हमारे आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा एवं ब्रह्मऋषि अंगिरा की महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराने, व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओं के अनुसार सामाजिक गतिविधियां- वैवाहिक जानकारियां, शैक्षणिक, रोजगार संबंधी एवं व्यवसाय इत्यादि से रुबरु कराने के लिए सन् 2004 में स्थापित की गई समाज की प्रथम वेबसाइट www.jangidbrahmin samaj.com के द्वारा सूचना क्रान्ति की दिशा में कदम बढ़ा लाभान्वित किया। इस वेबसाइट को अब तक लगभग 5 लाख से अधिक लोग विजिट कर चुके हैं। अ.भा.जा.ब्रा. महासभा की वेबसाइट www.abjbmahasabha.com भी आप द्वारा तैयार की गई व कई वर्षों तक संचालित की गई।

इस हेतु महासभा प्रधान ने इन्दौर में आपको सम्मानित किया। समाज में अच्छी पत्र पत्रिकाओं की कमी को देखते हुए आपने अपने समाज की पत्रिका के संपादन का कार्य करने का निश्चय किया। इसके फलस्वरुप विश्वकर्मा टूडे पत्रिका 16 मई 2011 से सर्वांगीण विकास की दिशा में सतत् गुणवत्ता के प्रति प्रयत्नशील है। पत्रिका की संख्या 3500 से भी अधिक प्रसारित होकर लगभग

सभी राज्यों में अपनी पहुँच बना चुकी है। समाज चिंतकों-विचारकों द्वारा इसे समाजोन्नति की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय प्रयास माना गया। एवं वेबसाइट www.vishwakarmatoday.com पर विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पूर्ण अंक प्रतिमाह प्रकाशित होते रहते हैं। देश-विदेश के पाठक भी इसका लाभ ले सकें इस हेतु इसे ऑनलाइन किया हुआ है।

सामाजिक संस्थाओं के साथ जुड़कर एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रुप से काफी समय पूर्व से ही भाग लेकर सामाजिक दायित्वों के प्रति अपनी भागीदारी को बनाये रखा। अ.भा.जा.ब्रा. महासभा दिल्ली के शताब्दी समारोह की स्मारिका-2008 के प्रकाशन में सम्पादकीय मण्डल में रहकर आपके द्वारा अहम् भूमिका निभाने पर महासभा प्रधान एवं महामंत्री द्वारा अभिनन्दन पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। प्रदेश सभा राजस्थान द्वारा प्रकाशित स्मारिका-'प्रादेशिक दर्शन-2013' एवं विश्वकर्मा एज्युकेशन ट्रस्ट दिल्ली की स्मारिका 2013 के प्रकाशन में भी सम्पादक मण्डल में अहम् भूमिका निभाई। विश्वकर्मा समाज जमशेदपुर (झारखण्ड) द्वारा आपको 'सम्पादक शिरोमणी' की उपाधि से सम्मानित किया। आपने विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के प्रकाशन से पूर्व श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति की पत्रिका 'बन्धुत्व संदेश' के सम्पादक के रुप में अपनी लगभग 3 वर्षों तक नि:स्वार्थ सेवायें दीं।

पत्रकारिता एवं सामाजिक मंचों पर आपको राज्य के गृहमंत्री गुलाब चंद कटारिया, प्रबुद्धजनों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया एवं मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व अतिथि के रूप में भी आपकी कई समारोह में उपस्थिति रही। विश्वकर्मा टूडे द्वारा पत्रिका के लेखकवृन्द जनों के सम्मान समारोह का भव्य आयोजन कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया। आप राजस्थान पत्रकार संघ से भी जुड़े हुये थे।

विश्वकर्मा टूडे एवं जांगिड / विश्वकर्मा समाज के माध्यम से रचनात्मक कार्यों हेतु 27 अक्टूबर 2013 को शिक्षित युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन कर एक नई शुरुआत की। बहुत से युवक-युवती परिणय सूत्र में भी बंधे।

आप अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के संरक्षक सदस्य एवं श्री विश्वकर्मा जांगिड कर्मचारी समिति जयपुर के सदस्य बने। विश्वकर्मा विकास ट्रस्ट जयपुर के भी सदस्य हैं। विश्वकर्मा एज्यूकेशन ट्रस्ट दिल्ली के ट्रस्टी बने। जांगिड समाज हस्तकला एवं हस्तकला सेवा समिति के आजीवन सदस्य बने। अ.भा.जा.ब्रा / प्रदेश सभा / जिलासभा में मीडिया प्रकोष्ठ के प्रभारी बनाए गये। अंगिरा आश्रम अजमेर के भी ट्रस्टी बने। राजस्थान जांगिड ब्राह्मण समाज न्यास के सदस्य बने एवं विभिन्न समितियों के साथ भी जुड़े।

पारिवारिक : आपका विवाह टोंक जिले के सुरेली ग्राम के श्री गोविन्द राम जांगिड (बिसायती) की पुत्री जगदेश्वरी देवी के साथ हुआ। ये एक गृहिणी हैं। उस जमाने में बाल विवाह जैसी परम्पराओं के कारण आप भी युवावस्था से पूर्व ही परिणय सूत्र में बंध गये थे। आपके दो पुत्र एवं एक पुत्री है। ज्येष्ठ पुत्र उमेश शर्मा, बी.ई. ऑनर्स (इलेक्ट्रिकल) एवं एम.सी.ए. हैं, ये राज. राज्य विद्युत प्रसारण निगम लि. में सहायक अभियन्ता के पद पर सेवायें दे रहे हैं। इनका विवाह जयपुर जिले में दुर्गा का बास के श्री जीवन राम शर्मा (से.नि. बैंक मैनेजर) हाल निवासी-जयपुर की पुत्री नीरु शर्मा (स्नातक) के साथ हुआ। इनके एक पुत्र एवं एक पुत्री है। पुत्र हिमांशु बी.टेक. (कम्प्यूटर साइंस) के अंतिम वर्ष में अध्ययन कर रहे हैं एवं पुत्री कृति शर्मा डेन्टल कॉलेज में अध्ययन कर रही है।

द्वितीय पुत्र नरेश शर्मा (बी.कॉम.) का विवाह अलवर के श्री मनोहर लाल शर्मा (से.नि. एयरफोर्स) की सुपुत्री दीपिका (स्नातक) के साथ हुआ। ये विजन कम्प्यूटर पार्क, जयपुर वेव वर्ल्ड एवं डीएनएस इन्फोमीडिया संस्थाओं को संभालते हैं तथा एक सामाजिक स्मारिका के प्रकाशन का कार्य आप द्वारा कराया जा रहा है, जो शीघ्र ही प्रकाशित की जाएगी। इनके पुत्र वैदिक जांगिड अध्ययनरत है।

पुत्री नेहा शर्मा एम.ए. एवं एम.एड. है। इन्होंने कम्प्यूटर में प्रशिक्षण लिया एवं फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा किया है। इनका विवाह बूंदी में श्री शम्भूलाल जांगिड के सुपुत्र श्री मुकेश कुमार जांगिड के संग हुआ।

आर.पी. शर्मा मृदुभाषी, मिलनसार, समाज के प्रति गहन चिंतन रखने वाले व्यक्ति थे। निष्पक्ष, सटीक, मार्मिक, ज्ञानवर्धक तथा निर्भयता से समाज हित हेतु सम्पूर्ण समाचारों को अपनी ताकतवर लेखनी (विश्वकर्मा टूडे मासिक पत्रिका) द्वारा पहुंचाने वाले आर.पी. शर्मा जी का दिनांक 7 नवम्बर 2020 को आकस्मिक निधन हो गया। अब केवल उनके सद्विचार एवं सद्कार्य ही हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

स्मृति शेष...

ण महासभा से सम्बद्ध S-27/1919
रोह पर हार्दिक शुभकामनाऐं

का
ी स्मारिका विमोच
दि:12 अक्टू:2
शपथ विधि समारोह
नीमच

अखिल
जांगिड़

षण'' सम्मान

स्मृति शेष...

विश्वकर्मा दर्शन

प्रथम आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन
2011

DIGITAL COLOUR PRINT